प्रलिमि्स फैक्ट्स : 20 मार्च, 2021

- अनंगपाल द्वतिीय : तोमर राजवंश

अनंगपाल द्वतिीय : तोमर राजवंश

Anangpal II: Tomar Dynasty

हाल ही में एक सेमनिार के दौरान तोमर वंश के राजा अनंगपाल द्वतिीय की वरिासत पर प्रकाश डाला गया।

अनंगपाल द्वतिीय के वषिय में:

- अनंगपाल द्वतिीय **तोमर राजवंश** से संबंधति थे। इन्हें **अनंगपाल तोमर** के रूप में में भी जाना जाता है।
- उन्होंने **ढलि्लकिा पुरी** की स्थापना की थी जसिे आगे चलकर दलि्ली के रूप में जाना गया।
  - **कुतुब मीनार** के नकिट स्थति **मस्जदि कुव्वतुल इस्लाम** के **लौह स्तंभ पर** दलि्ली के प्रारंभकि इतहिास के बारे में साक्ष्य अंकति हैं।
- वभिन्नि शलिालेखों और सक्कि्कों से यह पता चलता है कि**अनंगपाल तोमर 8वीं से 12वीं शताब्दी के बीच वर्तमान दलि्ली और हरयिाणा के शासक** थे।
  - उन्होंने शहर का नरि्माण खंडहरों से कयिा तथा उनकी नगिरानी में ही **अनंग ताल बावली और लाल कोट** का नरि्माण कयिा गया।
- अनंगपाल द्वतिीय के बाद उनका पोता **पृथ्वीराज चौहान** शासक बना।
  - 1192 में **तराइन** (वर्तमान हरयिाणा) के द्वतिीय युद्ध में **पृथ्वीराज चौहान की पराजय के बाद** गोरी की सेना द्वारा दलि्ली सल्तनत की स्थापना की गई।

तोमर राजवंश के वषिय में:

- तोमर वंश उत्तरी भारत के **प्रारंभकि मध्य युग के लघु शासक वंशों में से एक** है। चारण परंपरा (Bardic Tradition) के अनुसार, यह वंश **36 राजपूत वर्गों में से एक** था।
- इस वंश का उल्लेख अनंगपाल (जसिने 11वीं शताब्दी में दलि्ली की स्थापना की) के शासन और 1164 में चौहान (चाहमान) साम्राज्य में दलि्ली के वलिय तक की अवधि के बीच मलिता है।
- हालाँकि बाद में दलि्ली नरि्णायक रूप से चौहान साम्राज्य का एक हसि्सा बन गई लेकनि प्राचीन सक्कि्कों के अध्ययन एवं साहत्यिकि साक्ष्य यह इंगति करते हैं कि तोंगपाल और मदनपाल जैसे राजाओं ने संभवतः 1192-93 में मुसलमानों द्वारा दलि्ली पर अंतमि वजिय प्राप्त करने तक सामंतों के रूप में शासन जारी रखा।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/prelims-facts-20-march-2021